3.4.4 April/23/2022-23/SBD/zoo/Conference Proceedings
Peer Reviewed Refereed Journal ISSN : 2278 – 5639
Global Online Electronic International Interdisciplinary Research Journal (GOEIIRJ)
{Bi-Monthly} Volume – XII Special Issue – II April – 2023

नई शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में परिणाम - आधारित शिक्षा : एक विहंगावलोकन

7

डॉ. सुभाष भिमराव दोंदे
डेक्कन एज्युकेशन सोसायटी, पुणे संलग्न
किर्ती कॉलेज (स्वायत्त), दादर (प.) मुंबई -400 028.

नई शिक्षा नीति के तहत उच्च शिक्षा सुधारों की दिशा में शिक्षा संस्थानों की शैक्षिक स्वायत्तता को बढ़ावा देना यह एक महत्वपूर्ण कदम है। जिन महाविद्यालयों को स्वायत्तता का दर्जा दिया गया है, उन्हें अध्ययन और पाठ्यविवरण के अपने स्वयं के पाठ्यक्रम (कोर्स) निर्धारित करने और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रमों को पुनर्गठित या पुनर्रचित करने, इसे कौशल आधारित बनाने; छात्रों के प्रदर्शन के परिणाम-आधारित मूल्यांकन के तरीके विकसित करने, प्रसंगोचित क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा देने और शिक्षार्थी केंद्रित शैक्षिक प्रौद्योगिकी के आधुनिक उपकरणों का उपयोग करने की स्वतंत्रता है।

दुनिया तीव्र गति से कई बदलावों का सामना कर रही है, चाहे वह शिक्षा में हो या निगमित (कॉर्पोरेट) क्षेत्र में। ऐसे अस्थिर समय में, आकार के कौशल वाले मानव संसाधन की मांग बहुत अधिक है। कार्यबल में व्यक्तियों की क्षमताओं का वर्णन करने के लिए नौकरी भर्ती में T-आकार का मॉडल अनिवार्य रूप से एक रूपक है। T अक्षर पर खड़ी पट्टी एक ही क्षेत्र में ज्ञान और विशेषज्ञता की गहराई का प्रतिनिधित्व करती है, जबकि क्षैतिज पट्टी में विषयों में सहयोग करने और विशेषज्ञता के समानांतर क्षेत्रों में ज्ञान को लागू करने की क्षमता शामिल होती है। संक्षिप्त में यह उन गुणों का संदर्भ है जो मानव संसाधन को मूल्यवान बनाते हैं; उनके पास विशिष्ट क्षेत्रों में गहराई से उत्कृष्ट ज्ञान एवं कौशल हैं और वे दूसरों के सहयोगी बनकर काम करने में अच्छे होते हैं।

इस वर्तमान परिदृश्य में जब हम सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय परिवर्तनों से जूझ रहे है, संस्थाओं को मानव संसाधनों में सुधार करके अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ानी चाहिए। परिणाम-आधारित शिक्षा पाठ्यक्रम में क्रांतिकारी परिवर्तन के माध्यम से गतिशील और क्रॉस-सेक्शनल क्षमताओं के साथ अति-विशिष्ट ज्ञान को जोड़कर स्नातकों को इस अंत तक तैयार करने में मदद करती है।परिवर्तन या अनित्यता ही आज एकमात्र स्थिर या नित्य है, और इसके साथ, शिक्षा प्रणालियों को अपने दृष्टिकोण या जोखिम को पूरी तरह से अप्रचलित या गतकालिक होने के से पहले सामयिक बनाने (अद्यतन) और अनुकूलित करने की आवश्यकता आती है। परिणाम-आधारित शिक्षा एक शैक्षणिक मॉडल है जो पाठ्यक्रम, शिक्षा-विज्ञान (पेडागॉजी) और मूल्यांकन प्रथाओं के पुनर्गठन या पुन:संरचना पर जोर देता है ताकि उच्च स्तरकी शिक्षा की उपलब्धि को प्रतिबिंबित किया जा सके, जो पाठ्यक्रम (कोर्स) क्रेडिट के मात्र संचय के विपरीत है।

जबकि पारंपरिक शिक्षक केंद्रित शिक्षा प्रणाली इस बात पर ध्यान केंद्रित करती है कि क्या सिखाया जाता है, इसके ठीक विपरीत शिक्षार्थी केंद्रित एवं परिणाम-आधारित शिक्षा प्रणाली क्या सीखा है? उस पर जोर देता है और यह अंतर बहुत महत्वपूर्ण है। यह एक छात्र-केंद्रित प्रतिदर्श (मॉडल) है जो वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों को मिश्रण में शामिल करता है। किसी अध्ययन या पाठ्यक्रम के अंत में छात्रों को जो ज्ञान, कौशल और विशेषताएँ मिलती हैं, वे क्या, या कैसे, कुछ सिखाया जाता है, की तुलना में अधिक मूल्यवान हैं।एक पारंपरिक शिक्षक-केंद्रित शिक्षा प्रणाली मानकीकृत प्रक्रियाओं पर बहुत अधिक निर्भर रहती है, जिसमें शिक्षक द्वारा निर्देश दिए जाने के लिए छात्र एक विशेष समय पर एक छत के नीचे इकट्ठा होते,

Principal
D. E. Society's
Kirti M. Doongursee College
of Arts, Science & Commerce
Dadar (W), Mumbai - 28.

हैं। एक व्याख्यान के पूरा होने के बाद, शिक्षार्थी सहाध्यायी या शिक्षक के साथ बातचीत और विचारविमर्श से शंकाओं को दूर करते हैं। इसका मतलब है, शिक्षा प्रणाली की प्रभावशीलता काफी हद तक शिक्षक की गुण-कारिता और साथियों के ज्ञान के आधार पर निर्भर करती है।

दूसरी ओर, शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षा विशिष्ट परिणामों पर निर्मित एक शिक्षा प्रणाली है। यह उन कौशल सेटों पर केंद्रित है जो छात्रों को अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद हासिल करने के लिए तैयार करते हैं। सीखने की गतिविधियों को कक्षा की चार दिवारों के अंदर या बाहर इस तरह से डिज़ाइन किया जाता है; कि छात्रों को इन परिणामों को प्राप्त करने में मदद मिल सके।परिणाम-आधारित शिक्षा के सबसे गहन लाभों में से एक स्पष्टता की भावना है जो इससे बढ़ती है। छात्र, अपने माता-पिता के साथ, स्पष्ट रूप से निर्धारित सीखने के उद्देश्यों के आधार पर एक संस्थान, शैक्षिक उपाधि या डिग्री (प्रोग्राम) और पाठ्यक्रम (कोर्स) चुन सकते हैं। कोर्स आउटकम (CO), प्रोग्राम आउटकम (PO), कार्यक्रम विनिर्दिष्ट परिणाम या प्रोग्राम स्पेसिफिक आउटकम (PSO) और कार्यक्रम शैक्षिक उद्देश्य या प्रोग्राम एजुकेशनल ऑब्जेक्टिव (PEO) निर्धारित करते हैं कि छात्रों से उनके पाठ्यक्रम (कोर्स) या शैक्षिक उपाधि (प्रोग्राम) के बाद क्रमश: क्या हासिल करने की उम्मीद की जाती है? यह स्पष्टता सभी प्रभागों और विभागों में शिक्षण और वितरण की गुणवत्ता में प्रतिबिंबित होती है, जहाँ संकाय (फैकल्टी) अधिक समुचित तौर से अपना ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

इस प्रक्रिया में, शिक्षक एक सह-शिक्षार्थी और सहयोगी होता है और एक अनुभवी परामर्शदाता और समन्वयक की भूमिका निभाता है। आलोचनात्मक सोच के लिए छात्रों को सक्षम करने के अवसर पैदा करने के लिए उनकी एक चुनौतीपूर्ण भूमिका है ताकि संप्रयोग, विश्लेषण और संश्लेषण के उच्च क्रम सीखने को बढ़ावा देने के लिए अनुप्रयोग और समस्या को सुलझाने के कौशल विकसित किए जा सकें।अगला लाभ, और शायद सबसे स्पष्ट, -लचीलापन है। परिणाम-आधारित शिक्षा छात्रों को वे क्या पढ़ना चाहते हैं? और कैसे पढ़ना चाहते हैं? यह चुनने का अधिकार देता है। यह न केवल एक शिक्षार्थी की ताकत और कमजोरियों के अनुकूल होता है, बल्कि यह विषय वस्तु में निपुणता और प्रवाह प्राप्त करने के लिए पर्याप्त समय भी प्रदान करता है।इसके अतिरिक्त, मॉडल शिक्षार्थियों को अपने क्रेडिट स्थानांतरित करने और परिणाम-आधारित शिक्षा पाठ्यक्रम से मान्यता प्राप्त किसी अन्य संस्थान में आगे की शिक्षा जारी रखने की अनुमति देता है। संस्थानों को मान्यता दी जाती है, बेंचमार्क किया जाता है, और इस प्रत्यायन के आधार पर आसानी से एक दूसरे के साथ तुलना की जा सकती है। इस तरह प्रत्येक हितग्राही परिणाम- आधारित शिक्षा ढांचे से लाभान्वित होता है।

परिणाम-आधारित शिक्षा के लिए, 'सीखने के उद्देश्यों' को समझना और 'सीखने के उद्देश्यों' और 'सीखने-परिणामों' के बीच अंतर करना प्राथमिक है। 'सीखने का उद्देश्य' पाठ्यक्रम बनाने और पढ़ाने के लिए शिक्षक का उद्देश्य है। ये विशिष्ट प्रश्न हैं जो शिक्षक चाहते हैं कि यह पाठ्यक्रम (इनपुट के रूप में) उठाए। इसकी तुलना में, 'सीखने के परिणाम' उन प्रश्नों के (आउटपुट के रूप में) उत्तर हैं। ये विशिष्ट, मापने योग्य ज्ञान और कौशल हैं जो शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम को लेने से प्राप्त करेंगे।पाठ्यक्रम परिणाम (CO) विनिर्दिष्ट(अच्छी तरह से परिभाषित), प्राप्त करने योग्य (यथार्थवादी), और मापने योग्य (विश्लेषण, संश्लेषण) होने चाहिए। इसलिए अध्ययन बोर्ड के सदस्यों को इन बिंदुओं पर विचार करना चाहिए जो तदनुसार पाठ्यक्रम सामग्री और सीखने के परिणामों को ड्राफ्ट तैयार करने में मददगार साबित होंगे।पाठ्यक्रम (कोर्स) या शैक्षिक उपाधि या डिग्री (प्रोग्राम) के लिए सीखने के परिणाम भविष्य काल में लिखे जाने चाहिए -जैसे छात्र सक्षम होगा और भाषा को सरल होना चाहिए ताकि शिक्षार्थी इसे आसानी से समझ सके।

अधिकांश शैक्षणिक प्रतिदर्शों या मॉडलों की तरह, परिणाम-आधारित शिक्षा अपनी हिस्से की चुनौतियों के साथ आता है।सीखने के परिणामों की रचना करना कठिन होने के साथ-साथ समय लेने वाला भी हो सकता है। यह हमें अगली कमी पर लाता है। परिणाम-आधारित शिक्षा कला एवं मानविकी शाखा के मुकाबले इंजीनियरिंग और विज्ञान जैसी व्यावसायिक शिक्षा धाराओं के साथ अच्छी तरह से काम करता है। साहित्य, भाषाएँ और दर्शन जैसे मानविकी शाखाओं के विषयों के लिए अधिक मुक्त-प्रवाह संरचना की आवश्यकता होती है। लेकिन शायद सबसे बड़ा दोष या त्रुटि मूल्यांकन के पहलू से संबंधित है।आशय को रटकर पेपर-पेंसिल की परीक्षा का परिणाम-आधारित शिक्षा में कनिष्ठ स्थान हैं। हां, इसके लिए ग्रुप प्रोजेक्ट से लेकर प्रश्नोत्तरी (क्विज़) जैसी अनौपचारिक परीक्षा तक विविध प्रकार के मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, आभासी परिदृश्य के भीतर परिणाम-आधारित शिक्षा का मूल्यांकन करना कठिन है। आखिरकार, कमियों और खामियों से निपटने की युक्ति यह है कि जो अपेक्षित है और जो यथार्थवादी है, उसके बीच संतुलन बनाना है।

एनईपी-2020 शिक्षा-विज्ञान (पेडागॉजी) को विकसित करने और अपनाने की वकालत करता है; जो सीखने वाले या शिक्षार्थियों के समग्र विकास पर जोर देता है जैसे कि अनुभवात्मक शिक्षा, चर्चा-आधारित शिक्षा, कला-एकीकृत शिक्षा, फ्लिप्ड क्लासरूम यामिश्रित (ब्लेंडेड) शिक्षा आदि।विशिष्ट लक्ष्यों को हासिल करने और अपने व्यक्तित्व में प्रतिबिंबित करने के लिए अपनाई गई शिक्षाशास्त्र और उपयोग किए गए मूल्यांकन के तरीके महत्वपूर्ण हैं क्योंकि परिणाम-आधारित शिक्षा केवल क्रेडिट का संचय नहीं है बल्कि उच्च-क्रम की शिक्षा अभ्याप्ति करना है।परिणाम-आधारित शिक्षा शिक्षक से केवल अर्ध-वार्षिक पाठ्यक्रम (सेमेस्टर) की शुरुआत में विषयों की सूची के बजाय सेमेस्टर के अंत में छात्रों से क्या करने की उम्मीद की जाती है इसके बारे में संवाद करने के लिए कहती है।

यह सुनियोजित अनुसंधान और क्षेत्र अध्ययन के माध्यम से स्थापित किया गया है, की सेमेस्टर की शुरुआत में पाठ्यक्रम परिणाम (CO) को छात्रों के साथ संवाद करने से छात्रों के प्रदर्शन में महत्वपूर्ण फर्क आता है।परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर करने के एकमात्र उद्देश्य से शिक्षा की पारंपरिक प्रणाली में, शिक्षक शिक्षार्थियों को विषय के पाठ्यक्रम को पढ़ाते थे। इस पद्धति के कारण छात्र सेमेस्टर के अंत तक पर्याप्त कुशल और ज्ञानपूर्ण या सुविज्ञ नहीं होते थे। उद्योग की आवश्यकताओं और पाठ्यक्रम के बीच की खाई ने देश में बेरोजगारी की समस्या को बढ़ा दिया।

नई शिक्षा नीति की तहत शिक्षार्थी केन्द्री परिणाम-आधारित शिक्षाशिक्षकों और छात्रों के बीच स्पष्टता लायेगी। प्रत्येक छात्र के पास अपने तरीकों से सीखने की लचीलापन और स्वतंत्रता होगी। उनके पास सीखने की एक से अधिक विधियाँ और तरीके होंगे। छात्रों के बीच तुलना कम होगी क्योंकि हर किसी का लक्ष्य अलग होगा और शिक्षार्थी पूरी तरह से अपने लक्ष्यों की जिम्मेदारी लेंगे। इसके बावजूद भारत जैसे सामाजिक-आर्थिक, धार्मिक और भाषिक असमानता या विषमता व्याप्त समाज मे परिणाम-आधारित शिक्षा कितनी कारगर साबित होगी यह आनेवाला समय ही बताएगा।

सन्दर्भसूची

1. **Puranik Ashish** (13th Nov; 2022) Course outcomes and Program outcomes in syllabii framing. An orientation talk organized by IQAC, Kirti College (Autonomous), Mumbai.https://www.youtube.com/watch?v=DkZeXxTYyLE
2. **Shah Ubaid-ullah** (7th Nov; 2022) Outcome Based Education in light of NEP-2020. https://www.google.com/amp/s/www.greaterkashmir.com/amp/story/todays-paper/op-ed/outcome-based-education-in-light-of-nep-2020

JSM's, Sane Guruji Vidya Prabodhini,
Comprehensive College of Education,
Khiroda, Dist. Jalgaon (M.S)

Organizes
ONE DAY NATIONAL SEMINAR (ONLINE)
on
"Towards a Holistic and Multidisciplinary Education- NEP 2020"
Under Internal Quality Assurance Cell (IQAC)

CERTIFICATE

This is to certify that Prof./Dr./Mr./Ms./Mrs. Subhash Bhimrao Donde *of* Deccan Education Society, Pune, Kirti College (Autonomous) Dadar (W) Mumbai. *Participated / Worked as Resource Person / Presented paper on* नई शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में परिणाम-आधारित शिक्षा : एक विहंगावलोकन *in One Day National Seminar (Online) on 'Towards a Holistic an Multidisciplinary Education NEP 2020' organized by JSM's Sane Guruji Vidya Prabodhini, Comprehensive College of Education, Khiroda, Dist. Jalgaon, Internal Quality Assurance Cell (IQAC) held on 13th April 2023.*

Dr. P. D. Suryawanshi	Dr. N. N. Landge	Dr. S.T. Bhukan	Dr. Lata Subhash More
Co-Coordinator	Organizing Secretary	Co-Convener	Convener & Principal